BDB-2-HI

बाइबल का सम्मान दूर करने का युद्ध 2

अनाऊंसर: आज जॉन एन्करबर्ग शो में, ये बहस कितनी सही है जो कहते हैं कि हमारे पास बाइबल का सही अनुवाद नही है, उसके बारे में क्या जो कहते हैं कि शास्त्रियों ने कई साल तक हस्तलेखों में बदलाव किया है, जिन्होंने असली लेखकों के लेख को भ्रष्ट किया है, क्या बाइबल में गलतियाँ हैं? आज आप जानेंगे जैसे हम चर्चा कर रहे हैं बाइबल का सम्मान दूर करने का युद्ध/ हमारे साथ जुड़ जाए द जॉन एन्करबर्ग शो में/

+++++++++

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: प्रोग्राम में स्वागत है, आज हमारा सवाल है, यदि हमारे पास नए नियम के असली हस्तलेख नही हैं, तो हम कैसे जानेंगे कि हमारे पास प्रेरितों के असली शब्द हैं? ये सवाल है जो आज समाज में दिखाया जाता है, टेलीवीजन पर, नॉवेल्स और बुद्धिमत्ता की किताबों में, और मैं सोचता हूँ कि आप इसका जवाब जानना चाहते हैं, आज हमारे साथ ये मेहमान हैं जो जवाब दे, मैं खुश हूँ कि आप यहाँ हैं/

जैसे हम शुरू कर रहे थे, तो हमने चित्र दिखाए बेस्ट सेलिंग बुक्स बार्ट एहरमन के जिसका नाम है मिस कोटिंग जीजस, आप एक साथ स्कुल में गए, डैन के साथ और आप दोस्त हैं, आप उनके बारे में जानते हैं/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: मैं इनसे प्रिंस्टन में मिला, ये इनके डाक्टरल प्रोग्राम का पहला साल था/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: मुझे इनके बारे में बताइए और मिस्कोटिंग जीजस के बारे में बताइए/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: मैंने हमेशा बार्ट को मित्रता से देखा है, वो अच्छे हैं, उनसे बातें करना मजेदार हैं, और वो बहुत दूर चले गए हैं जब कि वो प्रिस्टन में थे, मुड़ी से शुरू किया और वीटन गए, मास्टर्स डिग्री प्रिस्टन से की और डॉक्टरेट भी प्रिस्टन से की, और उनकी किताब मिसकोटिंग जीजस तो इस बात है कि वो अब इन मुद्दों पर कहाँ हैं, उनके दिल के लिए बहुत ही करीबी बात तो नए नियम के टेक्स्ट हैं, और मिसकोटिंग जीजस की मुख्य बात ये है कि हम नही बता सकते कि यीशु ने क्या कहा, लेकिन हम जो बता सकते हैं वो शायद ओर्थोडोक्स न हो, जैसे हमारे बहुत से हस्तलेख इस तरह दिखाते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, याने लोग उन्होंने जो कहा उसकी परवाह करते हैं, उन्होंने सवाल उठाए और आपकी क्लासेस में, मतलब आप कहते थे कि लोग टेक्स्टुअल क्रिटिसिज्म में सोते थे, और आप कह रहे हैं कि ये कॉपी आ रही हैं, वो अब नही सो रहे हैं और चर्च के ले लोग किस तरह के सवाल पूछ रहे हैं?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी, वो पूछ रहे हैं कि क्या हमारे पास असली बाइबल है या ऐसा कुछ है जो उससे बहुत ही मिलता हुआ है, या सिद्धान्तों से खिलवाड़ हुआ है, जिससे ये फर्क आया है इस तरह की बातें बार्ट की कहानी, ये स्वाभाविक नही है, शुरू के अध्याय में, क्रेग इवेन की किताब फब्रिकेटिंग जीजस, ये यीशु के बारे में अद्भुत किताब है/ पहले अध्याय में वो बताते हैं कि बहुत से लोग जीजसएन्टी के बारे में लिख रहे हैं, मसीहियत

के विरुद्ध में लिख रहे हैं, और लगभग उन में से हर एक कहानी, तो उसकी कहानी है जो ऐसे घर में बढ़ा जो बाइबल पर विश्वास करनेवाले और सटीक मसीही हो/ और जैसे आप इन बायोग्राफी से जाते हैं तो देखते हैं, जिसे मैं ब्रिटलफंडमेन्टल कहता हूँ, जहाँ वचन के काम करने पर सटीक दृष्टिकोण होता है, यदि इसका एक तोडा जाना हो, तो इसे बदल नही सकते ये बिखरता है, याने एक स्पेक्ट्रम से शुरू कर बहुत है जल्दी स्पेक्ट्रम के दूसरे अंत तक पहुचते हैं, और आप इस अनुभव के बारे में परेशानी महसूस करते हैं कि मुडकर निश्चित करना चाहते हैं कि आप जिससे गए हैं उसमे से कोई न जाए/ मैं सोचता हूँ कि ये बार्ट की कहानी का भाग है, मैं इसे देखता हूँ बहुत से लोगों में जो इस क्षेत्र में लिखते हैं, जो आगे यूनिवर्सिटी सेटिंग्स में सिखाते हैं, याने ये सवाल एक स्तर पर बहुत ही व्यवहारिक सवाल हैं, जो उत्तर के योग्य हैं, जो देखे जाने के योग्य हैं, और ये न कहे कि ये उदारता दिखता है, ये अपमान है, नही, किसी तरह से, कुछ केस में ये गंभीर सवाल हैं, जिसकी ओर ध्यान देना चाहिए/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, ऐसे बहुत से सवाल आते हैं, चलिए हस्तलेख की कॉपी के बारे में देखते हैं, बार्ट एक दोष लगते हैं, कि मानो ये उनके लिए दिखता है, आप मुझे बताइए कि ये उपयोग के बारे में बताते हैं या वो इसे समझते हैं, ठीक हैं? और ये बात है कि हमारे पास असली कॉपी नही हैं, हमारे पास असली कॉपी की कॉपी भी नही हैं, हमारे पास उन कॉपी की कॉपी भी नही हैं, और वो इस तरह बताते हैं कि हम इतने निचे हैं, पुरे इतिहास में, इसके पहले कि हम कोई कॉपी पाए, फिर वो इस तरह से कहते हैं कि हमारे पास टेक्स्ट में कुछ वचन हैं, और हमारे पास नए नियम के टेक्स्ट में हर शब्द के लिए तीन अलग अलग शब्द हैं, तो ये कहता है कि हम कैसे कह सकते हैं कि प्रेरितों ने यह बात कही होगी, और वो निष्कर्ष देते हैं खासकर, ये यीशु के ऐतिहासिक चित्र पर प्रभाव डालता है, ये मसीही सिद्धान्त पर भी प्रभाव डालता है/ तो चलिए सबसे पहले शुरू करते हैं कि क्या हमारे पास हस्तलेख हैं जो यीशु और उसके प्रेरितों के समय से हैं?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: मैं सोचता हूँ कि हमें कहना चाहिए कि बार्ट हमें ये तस्वीर देते हैं, हमारे पास लगभग 100 साल तक कोई हस्तलेख नही थे, एक बार जब वो टीवी या रेडियो शो पर थे, उन्होंने ये कहा, लेकिन वो जानते हैं कि ये केस नही है, मैं निश्चित नही कि वो कहेंगे कि हमारे पास कॉपी की कॉपी की कॉपी की कॉपी नही हैं, हम नही जानते कि ओरिजनल के बाद हमारे पास ये कॉपी आने तक कितनी पीढ़ी बीत गई, लेकिन हम ये जानते हैं, हमारे पास दूसरी सदी में,10 से 15 हस्तलेख की कॉपी की गई, ये सब पक्की नही थी, लेकिन बिखरी थी, लेकिन वो सब नए नियम से है, इसके बारे में सच में नही सुना था, किसी भी ग्रीको-रोमन लेख में, याने हमारे पास ऐसा कोई ग्रीको-रोमन लिटरेचर नही है, जिसकी कॉपी जो दशकों में आई हो, असली डॉक्यूमेंट के बाद, और फिर भी लोग कहते हैं, हम नही जानते कि ओरिजन नया नियम क्या कहता है, यदि नए नियम के बारे में ये सही है, तो ये 100 गुना ज्यादा सच्चा है इन दूसरे डॉक्यूमेंट से/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, किसी ने कहा यदि हम नए नियम के डाक्यूमेंट्स दे दे, इस आधार पर तो हमें पूरा इतिहास दूर करना होगा/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जहाँ तक हस्तलेखों के सबूतों की बात हैं ये सच है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, मुझे इस सबूतों के बारे में बताइए, और ये कितना परिपूर्ण है?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: चलिए मैं कॉपी की कॉपी के सवाल पर कुछ कहूँ, बार्ट शायद ये कल्पना कर रहे हैं, ये कल्पना इस तरह से है कि हम सब टेलीफोन गेम से परिचित हैं, बचपन में हम खेलते थे, टेलीफोन गेम की असली बात थी कि किसी के कान में कुछ कहना है और वो 9 या 10 लोगों से घूमकर आता है और पूरी कहानी

बदल जाती है और सब लोग हंसते हैं, इस गेम का पूरा मुद्दा ये है कि देखे कि ये बुरी तरह बदल जाता है/ तो ये बात नही कि किस तरह संदेश देते हैं, तो ये बात या विचार कि हमारे पास कॉपी की कॉपी की कॉपी नही थी, और फिर यहाँ आते हैं, यहाँ ये बताने की सीधी लाइन है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: टेलीफोन गेम जैसे/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जैसे टेलीफोन गेम, लेकिन इस उदाहरण का उपयोग करने में बहुत समस्या हैं, जहाँ एहरमन इसे खासकर उपयोग करते हैं, सबसे पहले हम लिखित डॉक्यूमेंट को देख रहे हैं, हम किसी खेल में मुखाग्रह बातों को नही देख रहे हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: दूसरे शब्दों में आपने उनसे पूछा, इसके बजाए कि मुख से बताओ, बस मुझे बताओ, याने संदेश लिखकर मुझे दो/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: बिलकुल, याने यदि कोई डॉक्यूमेंट है, जैसे युहन्ना का सुसमाचार लिखा गया, और जिस व्यक्ति को इसे लिखना होगा उसे इसे इतना ही याद करना होगा जो इन शब्दों को यहाँ पर सुन रहा है, ये इस तरह से नही है, और दूसरी बात कि यहाँ ट्रांसमिशन की बहुत सी लाइन में से हैं/ ये असली व्यक्ति यहाँ एक लाइन से जाता है अब 3 या 4 लाइन बाहर जाती हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: तो युहन्ना का सुसमाचार 3, 4 या 6 बार लिखा होता, एक हस्तलेख से दूसरे राज्य में जाते समय/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: बिलकुल याने असली डॉक्यूमेंट से इस तरह की लाइन आती हैं, अब यदि आप आखरी व्यक्ति को देखते हैं कि उनके डॉक्यूमेंट से क्या आता है, यदि हम इन में से हर लाइन के आखरी व्यक्ति के डॉक्यूमेंट को देखे और उनकी आपस में तुलना करे, लेकिन तीसरी बात, हमें केवल आखरी व्यक्ति से ही संपर्क नही करना है, हम बहुत से दूसरे लोगों से भी संपर्क कर सकते हैं जो हमे असली के आस पास की बात दे सकते हैं/ याने कहिए कि मैं इस लाइन में 3 लोगों को चुनता हूँ और 4 लोगों को इस लाइन से, और इस लाइन से 6 लोगों को, याने 300 लोगों को तो अब हम असली के बहुत बहुत पास हैं, इस तुलना में, और अंत में वो असली डॉक्यूमेंट, जिसे कॉपी किया गया होगा एक बार से बहुत बढकर, ये ट्रांसमिशन की एक लाइन नही लेकिन बहुतसी लाइन हैं, शायद 10 या 20 लाइन हो, जिस में डॉक्यूमेंट कॉपी किया गया हो, और उन्होंने इसे ट्रांसमिट करने के लिए अपने तरीके का उपयोग किया हो/ जब हम इस तरह से देखते हैं/ ये हमें बताता है कि ये टेलीफोन गेम से बहुत अलग है/ और ये उस प्रेरणा से अलग है जो हम मिस्कोटिंग जीजस से पाते हैं, मैं सोचता हूँ कि यहाँ कोई है जो हमें बताता है कि असली टेक्स्ट क्या है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, आप सच में पुरे संसार में गए हैं, और आपने इन कॉपीज को अलग अलग समय से ली हैं, आपने कितना फर्क देखा और आपने कितनी समानता देखी हैं?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: मै सोचता हूँ कि अहरमन बिलकुल सही हैं, जब वो कहते हैं कि हमारे हस्तलेखों में 4 लाख से भी ज्यादा टेक्स्टयुअल फर्क हैं, वो जो बहुत अच्छे से नही बताता है, कि ये फर्क तो अकसर देखा जाए तो पूरी तरह से व्यहारिक नही हैं, उन में से 75 प्रतिशत को बेकार फर्क हैं या बकवास है, उदाहरण के लिए एक जो दूसरा थिस्स्लुनुकियों 2:7 में हैं, ये बहुत ही विख्यात वचन है जहाँ पौलुस कहता है,जो तुम में नर्म हैं और

जो तुम में छोटे बच्चे जैसे है, और ग्रीक में नम्र और छोटे बच्चे में केवल एक अक्षर का फर्क है, हेपिओय या नेपिओय, एक हस्तलेख है, जो कहती है कि हम हेपिओय हो गए, जिसका अर्थ है कि हम तुम्हारे मध्य घोड़े हो गए हैं, जिसे हम कहेंगे कि ये बेकार पढना है, कोई इसे ऑथेन्टिक नही सोचता है, इसे अभी भी टेक्स्ट का फर्क मानते हैं, जैसे मानो किसी ने कभी बहुत ज्यादा कैफीन ली है और नही जानता कि वो क्या कर रहा है, लेकिन सच है कि सब में फर्क है, बकवास है या नही, लेकिन टेक्स्टुअल फर्क गिना गया है, और उन में से 75 प्रतिशत बेकार के फर्क हैं, या स्पेलिंग का फर्क है, या सामान्य है जिसे मूवेबल नु कहते हैं, ये शब्द के अंत में एन अक्षर है जैसे हमारे इनडेफिनेट आर्टिकल है ए या एन, ए बुक या एन एप्पल, यदि हम अंत में एन लगाए तो भी उसका अर्थ नही बदलता है, बस बताता है कि वो कितना ग्रामर जानता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: और मैं सोचता हूँ कि हमें बताना होगा कि हम 4 लाख के बारे में क्यों कह रहे हैं, और ये आपके लिए बड़ी बात नही है, वो ये है कि जब आप शुरू में हस्तलेखों को देख रहे थे वो तो 30 हजार हस्तलेख थे/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी, बिलकुल, मैं इस पर बहस करूंगा, हमारे पास नए नियम के दोष निकालने की जो बात है उस में धन के लिए शर्मिन्दा होना है, कोई भी क्लासिकल विद्वान हमें बताएगा, कि कितने दोष हैं, उस हस्तलेख में जो वो थामे हैं और जो हमारे पास हैं जिसे हम असली से दूर रखे हैं, जब हम केवल ग्रीक हस्तलेखों को देखते हैं, पिछले हफ्ते की संख्या, तो 5752 हैं, जो हम जानते हैं जो अभी भी अस्तित्व में हैं/ 5752 उसकी तुलना में सामान्य ग्रेको-रोमन लेखक, जो 20 कॉपीसे भी कम से व्यवहार करते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: कैतुलुस के बारे में सोचिए जब मैं स्कुल में था तो दो थे/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी, ये तो कम बातों से निपटना है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: देखिए ये इस तरह से था कि मेरी क्लास में, याने स्कुल में ए विद्यार्थी थे, बी विद्यार्थी और सी विद्यार्थी थे, और मेरे दोस्त थे, ठीक है? कहते हैं क इ उन्होंने गेट्टीबर्ग का पता दिया, कि हम कॉपी करें, ठीक है, हमारे पास ये एक पेज है, और हम सबने उसे कॉपी किया, खैर ए विद्यार्थी इसे जल्दी जानते थे, पंक्चुएशन और स्पेलिंग सही करते थे, ठीक है, और बी विद्यार्थी थोड़े पीछे थे, और सी विद्यार्थी और डी विद्यार्थी, बहुत दिलचस्प थे, लेकिन यदि हम इन सबको एक साथ रखे, याने दो के बजाए यदि केबल ए विद्यार्थी और डी विद्यार्थी हो, तो परेशानी में होगे, याने यदि 50 बच्चे हो, अधिक हो उतना अच्छा है, दूसरे शब्दों में, जितने ज्यादा डॉक्यूमेंट हो उतनी तुलना होगी, और हरकोई एक ही शब्द में, एक ही अक्षर में, एक ही जगह गलती नही करेगा? ठीक है? यदि आप शुरू करें 5000 से भी ज्यादा ग्रीक हस्तलेखों से, तो आप उसमे क्या जोड़ेंगे?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी, लैटिन हस्तलेखों में, याने हमारे पास 10 हज़ार कॉपीज हैं, ग्रीक की तुलना में लैटिन में दूगनी हैं, और फिर कॉप्टिक और सिरिएक और हमें पता नही कि हमारे पास कितने कॉप्टिक और सीरिएक हैं, लेकिन तो हजारों की तादाद में होगे, और फिर जॉर्जियन हैं और अरमेनियन हैं ओल्ड चर्च स्लावोनिक हैं, जिसे कोई नही जानता किसी ने नही सुना/ और केवल दो लोग आज इसे जानते हैं और बस यही, लेकिन पूरी तरह से मैं सोचता हूँ कि हम व्यवहार कर रहे हैं, वर्शनल गवाह और ग्रीक हस्तलेख, जिसे लगभग 20 या 30 हज़ार हस्तलेख होगे/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, अब दूसरी बात है, आपके पास हैं, यदि गलत हूँ तो बताइए, आपके पास चर्च फादर से लाखों कोटेशन हैं/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: नए नियम के बारे में 10 लाख से बढकर, जी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, तो इन संख्या को एक साथ रखते हैं, याने 10 लाख हैं, और 1 लाख 38 हज़ार वचन हैं, 30 हज़ार बार गुना करे/ ठीक है/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: देखिए सच में नही, क्योंकि उन हस्तलेखों में पूरा नया नियम है, उनमे से बहुतसा भाग चुना हुआ है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: चलिए लोगों को पता चले कि हम क्या कह रहे हैं, क्योंकि हम यहाँ संख्या बता रहे हैं, याने लाखों वचन हैं, मुझे पता नही कि कितनी संख्या है, लेकिन बहुत हैं/

डॉ. डेरेल बॉक: और उन में से बहुत से, बहुत जैसे हमने कहा टायपोज़ो हैं, जैसे यदि आप मुझ से कोई ईमेल पाए, जिसमे टायपो नही है तो मैंने उसे टाइप नही किया है/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: हम उसे टायपो नही कह सकते, हम उन्हें हैण्डो कहेंगे/

डॉ. डेरेल बॉक: बिलकुल/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: खैर बात तो ये है कि इन सारी बातों में, यदि किसी एक अक्षर में फर्क है, तो वो हस्तलेख में फर्क है/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: उसे अलग माना जाता, और किसी शब्द में फर्क हो तो उसे अलग माना जाता/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: याने उन कुल संख्या में से 4 लाख जो शायद 3 बिलियन से ज्यादा हो, इस तरह से, मतलब शुरू में उसे जाना गया, और उन में से आपने कहा कि 75 प्रतिशत में स्पेलिंग और दूसरी बातों की गलतियाँ थी/

डॉ. डेरेल बॉक: कईबार पढनेवाला इसे देखता है तो तुरंत जानता है कि क्या हो रहा है, बहुत से केस में और उसे सही करना जानते हैं/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: बिलकुल, जैसे हम प्रतिदिन करते हैं, हम अख़बार पढ़ते हैं, हम देखते हैं कि बॉक्स स्कोर क्या हैं और स्पोर्ट्स में देखते, दो टीम के स्कोर की तुलना करते, ये तो हमारे लिए स्वाभाविक है कि पढ़ते हुए ये सूधार करें, खैर जो सबसे बड़ा भाग है, जो कि स्पेलिंग और दूसरी गलतियाँ, दूसरी सबसे बड़ी कैटगरी ये नही है, इसका संबन्ध ट्रान्सपोज़ीशन और सिम्बल से हैं, जैसे....

डॉ. डेरेल बॉक: याने कहे तो केवल शब्दों में/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी, जैसे सिम्बल के लिए युहन्ना अध्याय 4 वचन 1 देखिए, ये कहता है, प्रभु या कहता है यीशु/ बड़ी बहस इस पर हुई थी कि इस में कौनसा असली है, लेकिन ये नही कहता कि प्रभु और पतरस, ये

प्रभु और यीशु है हर समय ये एक ही व्यक्ति के बारे में कहता है, और ये तो बताए गए फर्क में बहुत ज्यादा बार आता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, अब हम ब्रेक लेंगे वापस आने पर देखेंगे कि हस्तलेखों के 4 लाख से भी ज्यादा फर्क में हमारे पास 100 प्रतिशत है, जिसके बारे में बार्ट अहरमन कह रहे हैं, और 75 प्रतिशत यहाँ पर है और मैं बाकी के भाग के बारे में कह रहा हूँ, और मैं यहाँ महत्वपूर्ण बात पर जोर देना चाहता हूँ, हम इस पर चर्चा करेंगे तो हमारे साथ बने रहिए/

+++++++++

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, हम लौट आए हैं, डॉ. डेरेल बॉक और डॉ. डैनिएल बी वैलेस से चर्चा कर रहे हैं, नए नियम के हस्तलेखों के बारे में, क्या हमारे पास निश्चित ही वो वचन है जो प्रेरितों ने बाइबल में लिखे थे? जीजस सेमिनार इस तरह कहता है, सावधानी से बनाई कॉपी में भी गलतियाँ होती हैं, हर प्रूफ रीडर जानता है, याने हम कभी भी दावा नही कर सकते हैं कि असली बाइबल का जो लेख था वो इसी तरह से था, अब डैन, वो कहते हैं कि हस्तलेखों में 4 लाख से भी ज्यादा फर्क हैं, जो इन सब टेक्स्ट में हैं, याने 30 हज़ार टेक्स्ट हैं, हर टेक्स्ट में 1 लाख ३६ हज़ार शब्द हैं, या कहिए कि इसके आस पास, और इन सबको जोड़े और चर्च के फादर से 10 लाख कोटेशन जोड़ दे और उन में 4 लाख फर्क हैं, और आपने शुरू किया था, चलिए इस सूचि को फिर से देखे/ इस भाग में जो 100 प्रतिशत है उसमे से 4 लाख हस्तलेखों में कुछ फर्क दिखा है, आप 75 प्रतिशत या किससे शुरू करते हैं/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: 75 प्रतिशत स्पेलिंग गलती या स्पेलिंग फर्क, या और कुछ, और अलग भाग तो लगभग 25 प्रतिशत है, और वो तो शब्दों के क्रम को बदला गया है, क्योंकि ग्रीक में, शब्दों का क्रम बदल सकते हैं, उस विषय को बदले बिना ही, याने कहिए कि यीशु युहन्ना से प्यार करता है, तो शब्दों के क्रम को बदल सकते हैं, युहन्ना यीशु से प्यार करता है, जो भी ग्रीक जानता है वो समझता है कि यीशु ही विषय है और युहन्ना नही है, क्योंकि शब्द बदल रहे हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आप ये भी कह रहे थे कि जब भी शब्दों के क्रम में फर्क होता है, हालाँकि अर्थ नही बदलता है, जैसे कि यीशु युहन्ना से प्यार करता है, ग्रीक भाषा में यीशु युहन्ना से प्यार करता है इसे कितनी बार लिख सकते हैं, और हर एक अलग हो?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: देखिए 18 तरीके से हम लिख सकते हैं यीशु युहन्ना से प्यार करता है, इसमें किसी तरह से कोई भी स्पेलिंग या और कोई फर्क नही होगा, यदि स्पेलिंग के बदलाव से लिखे तो दुगना कीजिए याने 36, इस तरह एक नाम के लिए, और फिर दूसरे पार्टिकल्स हैं, और फर्क दिखा सकते हैं प्यार शब्द के लिए, मेरे अनुमान से हम लगभग 500 से 1000 तरीके से लिख सकते हैं, यीशु युहन्ना से प्यार करता है, ग्रीक में, इसका कुछ भी अर्थ बदले बिना/ ये इस 3 शब्दों में विविधता दिखाने की श्रमता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: और 30 हज़ार से भी ज्यादा हस्तलेख हैं/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: हाँ/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, दूसरी बात है, चलिए वापस चले, आपने इसे पहले भी कहा, लेकिन बाद है, इन नामों के सामने डेफिनेट आर्टिकल होते हैं, याने द जॉन, द मेरी, द फिलिप, ठीक है? और जब हम इसका अनुवाद करते हैं तो कोई फर्क नही होता है, हम जानते हम जॉन, मेरी, फिलिप के बारे में कह रहे हैं/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, और क्या?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी, अगली सबसे बड़ी कैटगरी है कि ये टेक्स्टुअल फर्क अर्थपूर्ण है, लेकिन अलग हैं, अलग से मेरा अर्थ है वो असली टेक्स्ट में नही जाते हैं, क्योंकि उन्होंने इसे देखा 14 वी सदी के एक हस्तलेख में, या 12 सदी के हस्तलेख में, इसमें कोई भी असली के साथ मेल नही खाता है/ ये बड़ा समूह है, टेक्स्टुअल विविधता का सबसे छोटा समूह है, वो तो 1 प्रतिशत से भी कम है, ये ऐसी विविधता है जो अर्थपूर्ण है, और आधारित रहने की है/ इसका अर्थ है कि व्यवहार कर रहे हैं 1 प्रतिशत से भी कम से जो इन 4 लाख टेक्स्टुअल विविधता में हैं, ये किसी भी बात पर प्रभाव डालेगे/ और सवाल है वो किस पर प्रभाव डालते हैं?

डॉ. डेरेल बॉक: याने आप ये कह रहे हैं कि उस टेक्स्ट का 99 प्रतिशत भाग, बर्फ जैसे सफेद है, यहाँ 99.4 प्रतिशत शुद्ध है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, यदि आप बस वही रुक जाए तो अद्भुत है, लेकिन हम आगे देखेंगे, चलिए दर्शकों को विवरण देता हूँ, मेरी बात गौर से सुनिए, यदि मैं कहू युहन्ना 3:16 ये है, क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, कि जो भी विश्वास करे वो नाश न हो, परन्तु अनंतजीवन पाए, अब कहिए कि इन शब्दों से 29 हज़ार हस्तलेख आए हैं, ठीक है, और बाकि 30 हज़ार के उपर है, ठीक है, जो कहता है, परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, कि जो भी विश्वास करे वो नाश न हो, परन्तु अनंतजीवन पाए/ ठीक है, 29 हज़ार हैं जिसमे क्योंकि शब्द नही है, और बाकि सब ने ये नही है, ठीक है, अब टेक्स्टुअल क्रिटिक्स के रूप में, आप कहेंगे यहाँ अनुमान लगाते हैं, ठीक है? यदि 29 हज़ार यहाँ पर हैं तो सब हैं, लेकिन यदि ये नही भी है तो भी युहन्ना 3:16 का अर्थ नही बदला/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी, ये शब्दों के बिच के संपर्क को बदलता है, लेकिन ये केवल इतना ही करता है, ऐसे बहुत से छोटे कांजुन्कशन हैं, ये तो अर्थपूर्ण और विविधता के वेरिएंट हैं, क्या उसने क्यों कि कहा या और कहा? याने इस तरह की बात/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, अब उन्होंने जो कहा उसका सारांश आप बताइए/

डॉ. डेरेल बॉक: जी, मैंने इन्हें यही कहते हुए सुना कि सब पूरा हो चुका है, खैर केवल यही नही कहते हैं, हर वर्च्युअल क्रिटिक्स पिछले कुछ शतकों से ये कह रहे हैं, जब ये पूरी तरह कहा और हो गया, तो कोई भी सिद्धान्त, मुख्य सिद्धान्त, इस बात को याद कर प्रभावित नही होगा, जहाँ हम ये देखे कि खास वचन कि खास शिक्षा है, उस पर इन फर्क का आसर पड़ा है, लेकिन मसीह सिद्धान्त जो सिखाते हैं उसके सार को इस फर्क ने स्पर्श भी नही किया है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, चलिए दोष लगाने पर चलते हैं, ये हस्तलेख का फर्क यीशु के बारे में हमारे ऐतिहासिक विविधता को बदलना चाहिए था, या उन्हें किसी तरह से मसीही सिद्धान्त को बदलना था, क्या ऐसा है?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी, मैं सोचता हूँ कि एहरमन इस बात को बताते हैं लेकिन इसे साबित करने के लिए को सबूत नही है, तो लोग उनकी किताबें पढ़ते हैं और वो डरे हुए हैं, कहते हैं मेरे प्रभु, आसमान गिर रहा है, पता नही किस पर भरोसा करें, लेकिन यदि हम सबूतों को देखते तो वो कहते हैं कि मसीह का ईश्वरत्व अनछुआ है, इस तरह की विविधता से, कुवारी से जन्म अन छुआ है, मसीह का जी उठना अनछुआ है, बाइबल जो भी सिखाती है जो असल में सच है, वो असली सत्य है, वो हस्तलेखों में पाया जाता है और इन विविधता को अनछुआ रखते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, हम इस पर अगले प्रोग्राम में चर्चा करेंगे, क्योंकि हमें उस अगली बात पर जाना है जो यीशु ने कहा है, और बहुत से विश्वासियों को इस में सवाल हैं, नही होने चाहिए लेकिन हैं, अर्मन ने कहा, कि जो स्त्री व्यभिचार में पकड़ी जाए, ये कहानी बाइबल में नही है, वो मरकुस के आखरी 12 वचन में ये भी कहता है, जो बाइबल में नही होने चाहिए, वो कहता है 1 युहन्ना 5:7 में, जो खासकर त्रिएकता को दर्शाता है, ये बाइबल का भाग नही है, और वो कहता है, जो बातें हमारे पास हिब्रू में है, वो पुकारता है और क्रूस पर मरता है, और साथ ही उसके बारे में सुसमाचार में जो कहा है, कोडी को चंगा करना, कि उसने इसे किया क्योंकि परवाह करता है या क्रोधित है, ठीक है? अर्मन कहते हैं कि ये उदाहरण है, हम इस पर अगले हफ्ते चर्चा करेंगे, हम उदाहरण देखेंगे कि बहुत दबाव है और बड़ा बदलाव है, कुछ तरह से वो कहते हैं कि शास्त्रियों ने जानबुझकर इसे किया है, तो आप अपनी बाइबल पर भरोसा नही कर सकते हैं, ये गलत है, लेकिन हम बताएगे कि ये क्यों गलत है, हमारे अगले प्रोग्राम में, आशा है कि आप जुड़ जाएंगे/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्‌ ग्ठ्ठ्र ठ्ठड्ड्ढद्य ख्ड्ढद्मद्धद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्दृध्.दृद्धढ

@JAshow.org क्दृद्रन्द्धत्ढण्द्य 2015 ऋग्ड्ङक्ष्